RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : सोमवार 26 जून 2023 वर्ष 05 अंक 64 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 8 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

मुंबई में भारी बारिश...!

CM शिंदे ने बाढ़ रोकने की प्रणाली के काम करने का किया दावा, विपक्ष ने साधा निशाना

मुंबई : मॉनसून पहुंचने के साथ ही मुंबई में पहली भारी बारिश होने से जगह-जगह जलभराव हो गया। वहीं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को कहा कि शहर में जलजमाव रोकने के लिए विकसित की गयी नयी व्यवस्था अच्छी तरह काम कर रही है। हालांकि विपक्षी दलों ने यह कहते हुए मुख्यमंत्री शिंदे की आलोचना की कि मॉनसून की तैयारी संबंधी उनका दावा पहली ही बारिश में धराशायी हो गया और उनके सभी ''झूठे वादे तथा फोटो में दिखायी गयी तैयारी हवा-हवाई साबित हुई।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने कहा कि अंधेरी सबवे के नजदीक एक नाले से उसने 165 लीटर क्षमता का एक फ्रीज, आलमारी और अन्य अपशिष्ट पदार्थ बरामद किये। उसने कहा कि भारी वर्षा के बाद शनिवार को अंधेरी सबवे को बंद कर दिया गया उसमें जमा पानी पंप से निकालना पड़ा। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि पिछले 24 घंटे में मुंबई और उसके उपनगरों में भारी बारिश हुई जिससे कई जगहों पर जलजमाव हो गया और कुछ मार्गों पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। दुर्लभ संयोग के तहत दिल्ली, मुंबई दोनों जगह पर मॉनसून रविवार को ही पहुंचा। आईएमडी के अनुसार, मुंबई में मौसम की जानकारी देने वाली यहां की कोलाबा वेधशाला ने रविवार सुबह साढ़े आठ बजे समाप्त हुए पिछले 24 घंटे में 86 मिलीमीटर बारिश दर्ज की, जबकि उपनगरीय क्षेत्रों में मौसम की जानकारी देने वाले सांताक्रुज मौसम केंद्र ने इसी अवधि में 176.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज की।

विभाग ने कहा कि भारी बारिश की वजह से मुंबई में कुछ जगहों पर वाहनों की आवाजाही बाधित हुई। उसने कहा कि मलाड और अंधेरी जैसे इलाकों में जलजमाव से यातायात की गति धीमी पड़ गई। आईएमडी के एक अधिकारी ने कहा कि मुंबई में और वर्षा होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री शिंदे ने बाढ़ जैसी स्थिति रोकने के लिए मिलान सबवे के पास निर्मित भूमिगत पानी टैंक के कामकाज की समीक्षा की और कहा कि यह व्यवस्था काम कर रही है। मिलान सबवे, हिंदमाता और मुंबई में कुछ अन्य जगहों पर हर साल वर्षा के दौरान जलजमाव हो जाता है। बीएमसी ने बाढ़ जैसी स्थिति को रोकने के लिए इन क्षेत्रों में भूमिगत टैंकों का निर्माण किया है।

शिंदे ने पत्रकारों से कहा, '' मैं मिलान सबवे पर स्थिति की समीक्षा करने के लिए व्यक्तिगत रूप से आया और नयी व्यवस्था ने साबित किया है कि वह काम कर रही है। एक घंटे में 70 मिलीमीटर से अधिक वर्षा हुई, उसके बाद भी, हमने जो व्यवस्था तैयार की, वह कारगर है। उन्होंने कहा, '' इतनी अधिक वर्षा के बाद भी मिलान सबवे यातायात के लिए खुला रहा। मुबई के अन्य क्षेत्रों में ही ऐसी ही व्यवस्था काम कर रही है।

कांग्रेस की मुंबई इकाई अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ ने यह कहते हुए नगर प्रशासन एवं शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की कि मॉनसून संबंधी तैयारियों का दावा पहली ही बारिश में धराशायी हो गया। शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने एक खबर ट्वीट की जिसमें मुख्यमंत्री शिंदे ने कथित रूप से कहा है कि जलभराव की शिकायत करने के बजाय लोगों को वर्षा का स्वागत करना चाहिए। ठाकरे ने लिखा, '' यदि निर्लजता, अक्षमता और भ्रष्टाचार का कोई चेहरा है जलभराव और नगर निकाय मशीनरी के चरमराने की शिकायत करने के लिए मुंबई वासियों की आलोचना किया जाना शर्मनाक है। उनके सभी झूठे वादे और मुंबई में फोटो खिंचाने की कवायद टांय-टांय फुस्स हो गयी।

मुम्बई में बकरी ईद को लेकर बीजेपी और समाजवादी पार्टी में विवाद

मुंबईः मुम्बई में बकरी ईद को लेकर बीजेपी और समाजवादी पार्टी में विवादों का दौरा शुरू हो गया है। मुम्बई में कुर्ला जोगेश्वर में बकरी चोरी के पुलिस और म्यूनिसिपल पर बकरी पकड़ने का आरोप समाजवादी पार्टी नेता अबु आजमी ने लगाया है। बीजेपी नेता हाजी हरफात ने समाज वादी पार्टी को समझाते हुए कहा देवनार और कल्याण मंडी से खरीद को मुंबई के रोड पर गलत तरीके से बकरे बेंचा जा रहा है।मुसलमानों को गुमराह किया जा रहा है। समाजवादी पार्टी विधायक अबु आजमी ने कहा बकरी ईद पर हमने मुंबई कमिश्नर देवन भारती से मुलाकात किया है। बीएमसी और मुम्बई पुलिस बकरे पकड़ रहे है। बजरंगदल को लोग भी शामिल है यह सब बकरे पकड़ने का काम जोगेश्वरी और कुर्ला इलाके में ज्यादा हो रहा है। बीजेपी नेता हाजी अरफात ने कहा कुर्ला में अवैध तरीके शीतल ठेठर कल्पना ठेथर दुकान होटल के पास बेचा जा रहा है। बिना एनओसी के सोसायटी में बकरे नही काटने चाहिए दूसरे धर्म इससे आहत हो सकता है। किसी गल्ली मोहल्ला बिल्डिंग चौखट पर बकरे बेचने की इजाजत सरकार कभी नही देगी अगर कोई लूटने का प्रयास करेगा मुंबई पुलिस कार्यवाही करेगी।

ओवैसी की रैली में लगे औरंगजेब अमर रहे के नारे...

फडणवीस ने पूछा- कहां से आते हैं मुगलों के वंशज

मुंबईः महाराष्ट्र के बुलढाना में शनिवार की शाम AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की रैली थी. इस रैली में कुछ लोगों ने औरंगजेब अमर रहे के नारे लगाया. इस नारेबारी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राजनीति गर्म हो गई है. एक तरफ बुलढाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू करने का दावा किया है. वहीं उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक बार फिर सवाल उठाया है कि आखिर हिन्दुस्तान के अंदर मुगलों की औलादें कहां से आ रहीं हैं. उन्होंने कहा कि यहां के जो भी मुसलमान हैं, वह औरंगजेब के वंशज तो नहीं हो सकते. उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ओवैसी के रैली में लगे औरंगजेब के समर्थन में नारों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि वह लगातार कह रहे हैं कि औरंगजेब के वंशज कहां से आते हैं. जब महाराष्ट्र या देश में किसी के पास औरंगजेब का खून नहीं है, यहां का जो मुसलमान है, वह औरंगजेब का वंशज नहीं हो सकता. औरंगजेब यहां जुल्म करने आया था, इस देश पर राज करने के लिए हिन्दुओं पर अत्याचार करने और हमारी मां-बहनों की इज्जत लूटने आया था. उसके अत्याचारों के बारे में हजारों पन्नों में लिखा जा सकता है. इसलिए औरंगजेब किसी भी राष्ट्र भक्त मुसलमान का मानक नहीं हो सकता. डिप्टी सीएम ने कहा कि जो ऐसी घोषणाएं कर रहा हो वह राष्ट्र भक्त कैसे हो सकता है. इसी के साथ उन्होंने एक बार फिर सवाल उठाया कि यह औरंगजेब की औलादें हैं, लेकिन पता नहीं चल रहा कि बार-बार कहां से आ जा रही हैं. इनके पीछे कौन हैं और इनका इरादा क्या है? महाराष्ट्र में यह क्या करने की इच्छा रखते हैं, यह सब जल्द ही बाहर आएगा. बता दें कि बुलढाना में AIMIM प्रमुख ओवैसी ने बड़ी सभा की थी. उनकी सभा के बीच कई बार औरंगजेब के समर्थन में नारे लगे. रैली शुरू होते ही लोग ''जब तक सूरज चांद रहेगा, औरंगजेब तेरा नाम रहेगा'' के नारे लगाने शुरू कर दिए. इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

दोहरे संकट में पुतिन

यूक्रेन पर हमला करने और 16 माह में भी वहां निर्णायक जीत हासिल न कर पाने के कारण पहले से ही सवालों से घिरे रूसी राष्ट्रपति पुतिन के लिए इससे बड़ा संकट और कोई नहीं कि वैगनर नामक एक निजी सशस्त्र समूह ने उनके खिलाफ विद्रोह कर दिया। इस निजी सेना ने एक रूसी शहर रोस्तोव पर कब्जा कर वहां स्थित सैन्य ठिकाने को जिस तरह घेरा, उससे पता चलता है कि उसके इरादे खतरनाक हैं। चूंकि यह निजी सेना राजधानी मास्को पहुंचने की कोशिश कर रही है, इसलिए यह माना जा रहा है कि उसे रूसी सेना के भी कुछ गुटों का समर्थन प्राप्त है। सच्चाई जो भी हो, वैगनर का विद्रोह रूसी राष्ट्रपति की मुसीबत बढ़ाने और उनकी साख गिराने वाला है। उनके सामने दोहरा संकट आ खड़ा हुआ है। अब उन्हें यूक्रेन की जमीन पर उसकी सेना के साथ ही अपने घर में भाड़े के सैनिकों से भी निपटना होगा। हालांकि पुतिन ने वैगनर के विद्रोह को विश्वासघात करार देते हुए उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की बात कही है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि अभी कल तक वह यूक्रेन में उसका सहयोग ले रहे थे। वैगनर के लड़ाके यूक्रेन में रूसी सेना के साथ लड़ रहे थे तो पुतिन की सहमति और समर्थन से।

वैसे तो रूस में किसी को सशस्त्र समूह गठित करने की अनुमति नहीं है, लेकिन किन्हीं कारणों से वैगनर को इसकी इजाजत दी गई। इस समूह के लड़ाके सीरिया, लीबिया आदि में भी लड़ते रहे हैं। इसमें रूसी सेना के कुछ पूर्व सैनिकों के साथ अपराधी भी हैं। भाड़े के सैनिक केवल पैसे के लिए लड़ते हैं और वे अपने स्वार्थ के लिए किसी का भी साथ दे सकते हैं। कई बार वे अपने समर्थकों और संरक्षकों के लिए ही मुसीबत बन जाते हैं। पता नहीं क्यों पुतिन यह साधारण सी बात नहीं समझ सके? लगता है वह यूक्रेन पर कब्जा करने के लिए कुछ भी करने को तैयार थे। भले ही वैगनर के पास 25 हजार लड़ाके हों और उसके मुखिया ने यह दम भरा हो कि वह रूस के सैन्य नेतृत्व को उखाड़ फेंकेंगे, लेकिन रूस की सेना दुनिया की ताकतवर सेनाओं में से एक है। उसका संख्या बल भी कहीं अधिक है। इसमें संदेह है कि वैगनर के लड़ाके उसका मुकाबला कर पाएंगे, लेकिन यदि रूसी सेना के कुछ जनरल उसके साथ मिल जाते हैं तो पुतिन का संकट गहरा जाएगा। उन खबरों की अनदेखी नहीं की जा सकती, जिनमें यह कहा जाता रहा है कि रूसी सेना के कुछ अफसर यूक्रेन युद्ध को लेकर पुतिन से असहमत हैं। रूस की जनता का एक वर्ग भी यह मानता है कि पुतिन ने यूक्रेन पर हमला कर उसका संकट बढ़ाने का काम किया है। विद्रोह का नतीजा कुछ भी हो, पुतिन की ताकतवर नेता की छवि धूमिल होना तय है।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

मुंबई में भारी बारिश ने मचाई तबाही

घाटकोपर में इमारत ढही, महाराष्ट्र के कई जिलों के लिए अलर्ट जारी

मुंबई : देश की आर्थिक राजधानी मुंबई और उसके आसपास के शहरों में हो रही भारी बारिश ने तबाही मचा दी है। मुंबई-पुणे में पिछले 24 घंटे से रुक-रुककर तेज बारिश हो रही है, जिससे कई इलाकों में जलभराव के बाद लोगों का बुरा हाल है। मौसम विभाग ने मुंबई के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। मुंबई के कुछ हिस्सों में आज भी बारिश हुई। आईएमडी के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून आज 25 जून को मुंबई और दिल्ली में आगे बढ़ गया है।

रायगढ़ और रत्नागिरी के लिए ऑरेंज अलर्ट

मौसम विभाग ने अगले 4-5 दिनों में महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में भारी बारिश का अनुमान जताया है। रविवार को पालघर, ठाणे, मुंबई और सिंधुदुर्ग के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, रायगढ़ और रत्नागिरी के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। सोमवार को भी इन जिलों में यही स्थिति रहेगी। कई जिलों में भीषण तूफान के साथ तेज बारिश आने की आशंका भी जताई गई है।

सीएम शिंदे ने कोस्टल रोड का किया दौरा

मुंबई में में हो रही बारिश के बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने वर्ली में कोस्टल रोड का दौरा किया। सीएम ने यहां की जायजा लिया और जलभराव के कारणों के बारे में जानकारी लिए। सीएम ने संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि जलजमाव की स्थिति न हो। मिलन सबवे पर पहुंचे सीएम शिंदे ने कहा, ''आज मैं यहां मिलान सबवे पर हूं और कल यहां 1 घंटे के भीतर लगभग 70 मिमी बारिश हुई, लेकिन यातायात की आवाजाही बंद नहीं हुई है, क्योंकि यहां एक जल भंडारण टैंक बनाया गया है। यहां फ्लडगेट भी लगाया गया है. मैंने विभाग को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि लोगों को बारिश के दौरान कोई समस्या न हो।''

ढही इमारत में फंसे लोग, रेस्क्यू जारी

मुंबई में बारिश के बीच, घाटकोपर (ईस्ट) के राजावाड़ी कॉलोनी में एक इमारत का हिस्सा ढह गया। बीएमसी ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि कुछ निवासी इमारत में फंसे हुए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। फिलहाल किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

सर्विस रोड पर भारी मात्रा में पानी

पुणे जिले के खेड़ शिवपुर इलाके में भारी बारिश के कारण पुणे सतारा हाईवे पर सर्विस रोड पर भारी मात्रा में पानी देखा गया। इस पानी से निकलने में वाहन चालकों को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। वहीं, कई गाड़ियां पानी में फंस भी गईं। मानसून से पहले कोई प्रारंभिक तैयारी नहीं होने के कारण हाईवे प्रशासन का काम पहली बारिश में ही धड़ाम हो गया। इससे नागरिकों ने हाईवे प्रशासन के प्रति खासी नाराजगी जताई है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर महाराष्ट्र के दो दिवसीय दौरे पर जाएंगे

औरंगाबाद : तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) सोमवार से महाराष्ट्र के दो दिवसीय दौरे पर जाएंगे। इस दौरान वह पंढरपुर और तुलजापुर की यात्रा करेंगे। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के एक पदाधिकारी ने यह जानकारी दी। बीआरएस अगले साल होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों से पहले महाराष्ट्र में पैठ बनाने की कोशिश में जुटी हैं। बीआरएस पदाधिकारी ने बताया कि राव सोमवार को उस्मानाबाद जिले के ओमेरगा पहुंचेंगे और फिर सोलापुर के लिए रवाना होंगे। इसके बाद, वह मंगलवार को सोलापुर के पंढरपुर शहर में भगवान विट्ठल के मंदिर जाएंगे और पूजा-अर्चना करेंगे। उन्होंने बताया कि राव, सोलापुर के सरकोली गांव में स्थानीय स्तर पर आयोजित एक कार्यक्रम में भी हिस्सा लेंगे और बाद में उस्मानाबाद के तुलजापुर के लिए प्रस्थान करेंगे, जहां वह मंगलवार दोपहर को प्रसिद्ध तुलजा भवानी मंदिर में दर्शन करेंगे। पदाधिकारी ने बताया कि राव ने तेलंगाना से बाहर संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से 15 जून को नागपुर में पार्टी के पहले कार्यालय का उद्घाटन किया था। गौरतलब है कि पिछले साल दिसंबर में, केसीआर के नेतृत्व वाली पार्टी ने अखिल भारतीय पार्टी बनने के उद्देश्य से पार्टी का नाम तेलंगाना राष्ट्र समिति से बदलकर भारत राष्ट्र समिति कर लिया था। इसके अलावा, राव ने हाल में महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में रैलियां की और किसानों और दलितों के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार की आलोचना की।

दिवा में जलापूर्ति न होने की गंभीर समस्या से जनता जूझ रही...

ठाणे : दिवा में जलापूर्ति न होने की गंभीर समस्या से जनता जूझ रही है। दिवा के कई इलाकों में पानी की जलापूर्ति न होने से हाहाकार मचा हुआ है, लोग पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस रहे हैं। यहां की जनता पानी के लिए हैंडपंप और टैंकर पर निर्भर है जिसका फायदा टैंकर माफिया उठा रहे हैं। इसको लेकर अब नागरिकों में काफी नाराजगी है। दिवा की जनसंख्या लगभग एक करोड़ से अधिक है, इसके बावजूद यहां कई सालों से पानी की समस्या बनी हुई है। कई लोगों ने निजी खर्च कर नल लगवा लिए हैं लेकिन डेढ़ साल के बाद भी नलों में पानी नहीं आ रहा है। यही नहीं यहां के लोग पानी की समस्या को लेकर लगातार आंदोलन करते रहे हैं।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : सोमवार 26 जून 2023

मुंबई में इमारत का हिस्सा गिरा...

बुजुर्ग महिला समेत दो लोगों के फंसे होने की खबर

मुंबईः मायानगरी मुंबई में घाटकोपर (पूर्व) के राजावाड़ी कॉलोनी में एक इमारत का हिस्सा ढह गया है। दरअसल घाटकोपर के राजावाड़ी अस्पताल से सटे दो मंजिला बंगले का एक हिस्सा ढह गया है। खबर है कि मलबे में एक बुजुर्ग महिला और एक पुरुष फंसे हुए हैं। पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर मौजूद हैं और मलबे में फंसे लोगों को निकालने की कोशिश कर रहे हैं। फिलहाल इस दुर्घटना में अभी तक किसी जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। मुंबई में बारिश की शुरूआत होते ही शहर में इमारतों गिरने का सिलसिला शुरू हो चुका है। राजावाड़ी का यह हादसा इसकी बानगी है। मुंबई शहर में कई जर्जर और खतरनाक इमारतें हैं। जिनकों बीएमसी और म्हाडा ने नोटिस दिया है। बारिश के मौसम के अक्सर इमारतों के धराशायी होने की खबरें सामने आती हैं। इन हादसों की वजह से लोगों को अपनी जान भी गंवानी पड़ती है। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही एनडीआरएफ की भी तीन टीमें मौके पर पहुंची है। फिलहाल राहत और बचाव शुरू है। हालांकि, बारिश की वजह से कुछ दिक्कत है। फिलहाल बारिश रुकी हुई है।

झमाझम बारिश के बीच मुख्यमंत्री शिंदे ने किया कोस्टल रोड का दौरा,

अधिकारियों को दिए निर्देश

मुंबईः देशभर में मॉनसून ने असर दिखाना शुरू कर दिया है। दिल्ली और मुंबई में इस समय झमाझम बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक, मुंबई और दिल्ली में एक साथ रविवार यानी 25 जून को मानसून का दौर शुरू हो गय है।

सीएम एकनाथ शिंदे ने किया दौरा

भारी बारिश के बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुंबई के वर्ली में कोस्टल रोड का दौरा किया। सीएम एकनाथ ने यहां की स्थिति का निरीक्षण किया और जलभराव के कारणों के बारे में जानकारी ली। सीएमओ द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, सीएम एकनाथ ने संबंधित अधिकारियों को जलजमाव की स्थिति न पैदा हो, यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

मुंबई के बारिश पर क्या है प्लान ?

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि आज मैं यहां मिलान सबवे पर हूं और कल यहां 1 घंटे के भीतर लगभग 70 मिमी बारिश हुई है। इसके बावजूद यहां यातायात की आवाजाही बंद नहीं हुई, क्योंकि यहां एक जल भंडारण टैंक बनाया गया है। यहां फ्लडगेट भी लगाया गया है। सीएम ने आगे कहा कि मैंने विभाग को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि लोगों को बारिश के दौरान कोई समस्या न हो।

मुंबई में मानसून का आगमन

आमतौर पर मुंबई में मानसून दिल्ली से पहले पहुंचता है। मुंबई में मानसून 10 से 15 जून के बीच दस्तक देती है। वहीं, दिल्ली में मानसून 30 जून तक पहुंचता है। ऐसे में मुंबई में मानसून 2 हफ्ते की देरी से पहुंचा है और दिल्ली में मानसून 5 दिन पहले आ गया है।

मनपा स्कूलों में ठेका पद्धति से शिक्षको की भर्ती...

भायंदर : मीरा भायंदर मनपा स्कूलों में शिक्षको की कमी को देखते हुए मनपा द्वारा स्वयं के खर्च से ठेका पद्धति से शिक्षको की नियुक्ति की गई है । मीरा भायंदर मनपा स्कूलों में शिक्षको के रिक्त पद की चर्चा के बाद शिक्षण अधिकारी सोनाली मातेकर ने खुलासा किया है की शिक्षक भर्ती करने शासन स्तर पर सम्पूर्ण राज्य में विषय निर्णयाधीन है। मीरा भायंदर मनपा स्कूलों में योग्य शिक्षक प्राप्त करने मनपा द्वारा स्व खर्च से गत वर्ष ठेका पद्धति से ३० शिक्षको की भर्ती की गई है इसके विपरित इस वर्ष १६ शिक्षको की भर्ती की गई है .

नासिक में कार में गोमांस ले जाने के शक में युवक को पीट-पीट कर मार डाला, पुलिस ने दर्ज किया केस

नासिक : महाराष्ट्र के नासिक में कार में गोमांस ले जाने के संदेह में एक शख्स की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई. मृतक का नाम अब्दुल मजीद अंसारी है. वहीं, इस मामले में पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है. पुलिस अफसर के मुताबिक, सिन्नर घोटी हाईवे पर मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया है. पुलिस की एक टीम आसपास के इलाकों में आरोपियों को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है. घटना के बारे में बताया जाता है कि सिन्नर घोटी हाईवे पर गंभीरवाड़ी के पास अज्ञात 10 से 15 लोगों ने दो लोगों की जमकर पिटाई कर दी. नाशिक पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, नासिर शेख और उसका एक साथीदार अफान शेख अपनी स्विफ्ट कार में मांस लेकर मुम्बई की दिशा में जा रहे थे.

महाराष्ट्र सरकार का बड़ा ऐलान !

5वीं और 8वीं क्लास के बच्चों को नहीं मिलेगी छूट, सेकंड राउंड में हुए फेल तो मतलब 'फेल'

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र सरकार ने 5वीं और 8वीं क्लास के बच्चों के भविष्य को लेकर एक अहम फैसला किया है. सरकार ने इन दोनों क्लासेस में पढ़ने वाले बच्चों की वार्षिक परीक्षाओं को फिर से शुरू करने का निर्णय लिया है. सरकार के इस फैसले के मुताबिक, अगर 5वीं और 8वीं क्लास में पढ़ने वाले बच्चे फेल होते हैं, तो उन्हें पास होने का एक मौका दिया जाएगा. लेकिन अगर दूसरे मौके में भी वो पास नहीं हो पाए तो स्कूल को यह अधिकार होगा कि वह बच्चे को उसी क्लास में रोक ले यानी फेल होने पर अब कोई छूट नहीं मिलेगी. इसकी जानकारी राज्य के स्कूल एजुकेशन डिपार्टमेंट ने दी है. स्कूल एजुकेशन डिपार्टमेंट ने अपने इस फैसले को लेकर शुक्रवार को एक अधिसूचना जारी की थी. यह अधिसूचना केंद्र सरकार द्वारा 'राइट टू एजुकेशन एक्ट' में संशोधन की पृष्ठभूमि के तहत आई है, जिसमें कहा गया था कि 8वीं क्लास तक के सभी बच्चों को अनिवार्य रूप से पास कर दिया जाएगा, यानी जो फेल भी होंगे, वो भी पास कर दिए जाएंगे. हालांकि अब से ऐसा नहीं होगा.

फेल होने पर नहीं किया जाएगा प्रमोट

अधिसूचना में यह सीधे तौर पर कहा गया है कि 5वीं और 8वीं क्लास के अंत में वार्षिक परीक्षाएं आयोजित कराई जाएंगी. अगर इस एग्जाम में कोई बच्चा फेल हो जाता है, तो उसे पास होने के लिए दूसरा मौका दिया जाएगा. दो महीने के बाद दोबारा से एग्जाम कंडक्ट कराया जाएगा. अगर बच्चे ने दूसरा मौका भी गंवा दिया यानी अगर वो दूसरी बार भी परीक्षा पास न कर सका तो उसे उसी क्लास में दोबारा पढ़ना होगा. अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि प्रारंभिक शिक्षा जब तक पूरी नहीं हो जाती, तब तक किसी भी बच्चे को स्कूल से निकाला नहीं जाएगा.

सभी स्कूलों में यह नियम लागू

महाराष्ट्र सरकार ने अब राज्यों के तमाम स्कूलों में यह नियम लागू कर दिया है, जैसे- सरकारी स्कूलों, निजी स्कूलों और सरकार से सहायता प्राप्त स्कूलों. अब से इन सभी स्कूलों में यह नियम अनिवार्य रूप से लागू होगा.

पालघर पुलिस ने गुम हुए तीन बच्चों को माता-पिता से मिलाया

पालघर : महाराष्ट्र के पालघर जिले स्थित अपने घर से ट्रेन देखने के लिए निकलने के बाद रास्ता भटक गए तीन बच्चों का पता लगाने के बाद उनके अभिभावकों से मिला दिया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। इनमें छह और सात साल के दो भाई और उनके पड़ोस का पांच वर्षीय बालक शामिल था और वे शुक्रवार को यहां बोईसर इलाके स्थित अपने घरों से निकले थे। पुलिस निरीक्षक संदीप कहाले ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि बोईसर से करीब 15 किलोमीटर दूर वनगांव थानाक्षेत्र के एक किसान ने शाम करीब साढ़े छह बजे तीनों बच्चों को सड़क पर रोते हुए देखा और इस बारे में सूचना तत्काल वनगांव थाने को दी। उन्होंने बताया कि बच्चे रेल की पटरियों पर भी चले थे और थके प्रतीत हो रहे थे, उन्हें थाने लाया गया और भोजन कराया गया। कहाले के मुताबिक, बच्चों ने पुलिस को बताया कि वे मुंबई के गणेश नगर इलाके के रहने वाले हैं। अधिकारी ने बताया कि पुलिस को शक हुआ कि बच्चे कहीं पालघर के बोईसर इलाके के रहने वाले तो नहीं है जिसके बाद तीनों बालकों की तस्वीरें सामुदायिक पुलिसिंग के लिए बनाए गए एक व्हाट्सऐप समूह पर पोस्ट की गईं। बोईसर के एक व्यक्ति ने संदेश देखने के बाद वनगांव पुलिस से संपर्क किया और बच्चों के माता पिता से समन्वय किया। अधिकारी ने कहा कि उक्त व्यक्ति की मदद से पुलिस ने बच्चों के माता-पिता से संपर्क किया और बालकों को शनिवार को उन्हें सौंप दिया। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि जब बालकों के माता-पिता काम पर गए हुए थे तो वे ट्रेन देखने के लिए घर निकल पड़े थे।

चाइना से चल रहा है साइबर टास्क फ्रॉड, मुंबई, सूरत और राजस्थान से 6 गिरफ्तार

नागपुर : पिछले कुछ दिनों में आपने वर्क फ्रॉम होम टास्क फ्राड के बारे में कई खबरें पढ़ी होंगी. अब तक तो लग रहा था कि पहले की तरह ही गुरुग्राम, मेवात और बिहार में बैठी गैंग इस ठगी को अंजाम दे रही होगी लेकिन साइबर पुलिस स्टेशन में दर्ज एक प्रकरण की जांच करते-करते पुलिस को पता चला कि साइबर टास्क फ्रॉड चाइना में बैठे सरगना चला रहे हैं. देश के युवकों को उन्होंने काम पर रखा है. फ्राड करने के लिए साइबर अपराधियों ने मानो कंपनी खोल रखी है. डीसीपी अर्चित चांडक ने बताया कि इस मामले में मुंबई, राजस्थान और सूरत से 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है. पकड़े गए आरोपियों में घाटकोपर, मुंबई निवासी आकाश विनोद तिवारी (29), चांदीवली, मुंबई निवासी रवि रामनाथ वर्मा (33), नाला सोपारा निवासी संतोष राममनी मिश्रा (39), अमरोली, सूरत निवासी मीत हरेश व्यास (26), विजयनगर, राजस्थान निवासी अंकित निहालसिंह टाटेर (33) और अरविंद महावीर शर्मा (24) का समावेश है. अधिकांश आरोपी सुशिक्षित और संपन्न परिवारों से हैं. पुलिस ने बैरामजी टाउन निवासी घनश्याम गोविंदानी (32) की शिकायत पर मामला दर्ज किया था. घनश्याम केमिकल इंजीनियर हैं. उन्हें घर बैठे पैसे कमाने का लालच दिया गया. सोशल मीडिया पर वीडियो लाइक, रिव्यू और सब्सक्राइब करने के टास्क दिए गए. शुरूआत में उन्हें अच्छे पैसे भी दिए गए. इसके बाद प्रीमियम टास्क पूरे करने के लिए समय-समय पर 54 लाख रुपये जमा करवाए गए

और बाद में पैसे मिलने बंद हो गए.

क्रिप्टो में हुआ चाइना से लेन-देन

डीसीपी चांडक ने बताया कि साइबर पुलिस स्टेशन द्वारा बारीकी से प्रकरण की जांच की गई. एक के बाद एक बैंक खातों की लिंक मिली. मनी ट्रेल का पता लगाते हुए पुलिस को आरोपियों का सुराग मिला. मुंबई, सूरत और विजयनगर से पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया. जांच में पता चला कि आरोपियों ने चाइना में बैठे मास्टर माइंड को क्रिप्टो करंसी में पैसा ट्रांसफर किया है. मीत व्यास ने कुछ दिन पहले ही बायनान्स नामक क्रिप्टो वैलेट से करीब 20 लाख रुपये ट्रांसफर किए थे. इसके अलावा गुजरात के आंगड़ियों द्वारा भी रकम हवाला के जरिए अलग-अलग लोगों को पहुंचाई जा चुकी है. मास्टर माइंड कौन है यह तो फिलहाल कहा नहीं जा सकता लेकिन टास्क चाइना से दिए जा रहे हैं यह तो पक्का है.

खातों में फ्रीज हुए 37 लाख रु.

अलग-अलग शहरों में बैठकर युवा इन ठगों के लिए काम कर रहे हैं. जांच के दौरान 10 बैंक खातों की जानकारी सामने आई है. पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों से 8 लाख रुपये कैश, 9 मोबाइल फोन और 19 क्रेडिट कार्ड जब्त किए हैं. इसके अलावा पुलिस ने बैंकों के नोडल अधिकारियों से बात कर अलग-अलग 10 बैंक खातों में 37 लाख रुपये फ्रीज करवा दिए हैं. आरोपियों ने अब तक सिटी में कितने लोगों को ठगा है इसकी जानकारी इकट्ठा की जा रही है. इंस्पेक्टर अमित डोलस, एपीआई संदीप बागुल, मारोती शेलके, हेड कांस्टेबल गजानन मोरे, सीमा टेकाम, अजय पवार, योगेश काकड़, रविकुमार कुलसंगे, सुशील चंगोले और रोहित मटाले ने बेहतरीन कार्य किया. इसके लिए उन्हें रिवार्ड भी जारी किया गया है.

1. चांडक ने बताया कि यह गैंग 3 तरीके से काम करती है. पहले वीडियो और प्रोडक्ट रिव्यू के लिए लोगों को पैसा देकर विश्वास में लिया जाता है. यह काम करने के लिए अलग टीम होती है.

2. शुरूआत में पैसा मिलने पर लोगों को विश्वास हो जाता है और फिर बड़े टास्क के नाम पर पैसे लिए जाते हैं. पैसे अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करवाए जाते हैं. ऐसे खाताधारकों को ढूंढने के लिए अलग टीम है.

3. खाताधारक अपने अकाउंट का एक्सेस आरोपियों को दे देता है. इस फ्राड में सबसे कम कमीशन खाताधारक को मिलता है, जबकि लोगों को फंसाने वालों को ठगी की रकम से 10 से 20 प्रश तक का कमीशन दिया जाता है.

शहर में किसी के संपर्क में गर्भपात वाले डॉक्टर आए तो तत्काल जानकारी दें - मनपा

वसई : वसई-विरार शहर महानगरपालिका वैद्यकीय आरोग्य विभाग ने नागरिकों से विषय के सूचना जारी कर अपील की है। मनपा ने बताया कि, चिकित्सा गर्भपात अधिनियम १९७१ की धारा ४ (ए और बी) के प्रावधानों के अनुसार और चिकित्सा गर्भपात नियम २००३ के नियम ४ के तहत, सरकार द्वारा अनुमोदित स्थान पर एक प्रशिक्षित चिकित्सा व्यवसायी द्वारा चिकित्सा गर्भपात किए जाने का प्रावधान है। यह मंजूरी तभी दी जाती है जब सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि संबंधित दवाखाना में किए गए गर्भपात सुरक्षित और सावधानी से किए गए हैं। क्योंकि गर्भपात कराने आई महिला के स्वास्थ्य के लिए उक्त सेवाएं, उपकरणों की उपलब्धता और समय पर डिलीवरी होना जरूरी है। सुरक्षित और कानूनी गर्भपात सेवाएं पाना महिलाओं का अधिकार है।सुरक्षित और कानूनी गर्भपात सेवाओं तक पहुंच महिलाओं का अधिकार है।इसलिए, सभी नागरिकों से अनुरोध है कि यदि वे ऐसे संदिग्ध चिकित्सकों के संपर्क में आएं तो मनपा के चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग को सूचित करें क्योंकि अवैध चिकित्सकों से गर्भपात की गोलियाँ लेना/अवैध गर्भपात कराना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भी है। संबंधित अवैध चिकित्सकों के विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बता दे कि सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखे जाने की बातें भी समाने आया है।

बाइक-कार चलाते पकड़े गए अगर नाबालिग मिले तो माता-पिता जाएंगे जेल

मुंबई : कम उम्र के टू व्हीलर और फोर व्हीलर चालकों के माता-पिता हो जाए सावधान। मुंबई सहित राज्य में बढती सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण पाने के लिए महाराष्ट्र राज्य परिवहन विभाग एक्शन मोड पर आ गया है। विभाग ने एक अधिसूचना जारी कर कहा है कि मोटर वाहन अधिनियम के अनुसार,जिन माता-पिता के नाबालिग बच्चे बिना लाइसेंस के मोटरसाइकिल व कार और अन्य गाड़ी चलाते हुए पकड़े जाते हैं तो, उन बच्चों के पेरेंट्स को 25 हजार रुपये का भारी जुमार्ना भरना होगा और संभावित रूप से तीन साल तक की जेल भी हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक,राज्य परिवहन विभाग ने मोटर वाहन अधिनियम के इस प्रावधान को सख्ती से लागू करने का फैसला किया है। बता दें कि विभाग ने न केवल माता-पिता पर भारी जुमार्ना लगाने का फैसला किया है,बल्कि कम उम्र के ड्राइवरों को 25 साल की उम्र तक ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने से भी प्रतिबंधित कर दिया जाएगा।

महाराष्ट्र में हर साल लगभग 15 हजार लोगों की चली जाती है जान

गौरतलब है कि ट्रैफिक पुलिस यातायात को दुरुस्त रखने और लोगों को हादसों से बचाने के लिए तरह-तरह के प्रयास कर रही है। सड़क दुर्घटनाओं के कारण महाराष्ट्र में हर साल लगभग 15 हजार लोगों की जान चली जाती है, इनमें से आधे से अधिक दुर्घटनाएं जनवरी 2022 और दिसंबर 2022 के बीच हुईं जिनमें दोपहिया वाहन चालक शामिल थे,जिसके परिणामस्वरूप 7,700 मौतें हुईं। इस मुद्दे को व्यापक रूप से संबोधित करने के लिए, परिवहन आयुक्त का निर्देश माता-पिता और कम उम्र के ड्राइवरों दोनों को लक्षित करते हुए परामर्श सत्र की आवश्यकता पर भी जोर देता है। सड़क सुरक्षा और कानूनी जागरूकता पर परामर्श प्रदान करके, अधिकारियों का लक्ष्य सुरक्षित वातावरण को बढ़ावा देना और सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली जानमाल की हानि को कम करना है। राज्य परिवहन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (आरटीओएस) को दोपहिया वाहन चालकों के लिए अधिनियम के प्रावधानों को लागू करने को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया है, विशेष रूप से धारा 18 के सख्त कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जो 20 वर्ष से कम उम्र के व्यक्तियों को सार्वजनिक स्थानों पर परिवहन वाहन चलाने से रोकता है।

महिला डॉक्टर के साथ छेड़छाड़, मामला दर्ज...

वसई: देश में नारी सुरक्षा पर चिंता होना जायज है, क्यों कि महिलाओं के साथ बलात्कार और छेड़छाड़ जैसी घिनौनी हरकत करने वाले आज भी बेखौफ है। ऐसा ही एक मामला नालासोपारा से सामने आया है जहां एक व्यक्ति ने एक महिला डॉक्टर की क्लिनिक में घुसकर छेड़छाड़ को अंजाम दिया। बता दे कि मामले में पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज आरोपी को पुलिस तलाश रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता, ३२ वर्षीय डॉ क्टर,नालासोपारा पूर्व में एक क्लिनिक है। बुधवार सुबह एक अजनबी उनके अस्पताल में आया,जांच के मौके पर उसने डॉक्टर के साथ अभद्र व्यवहार किया। इस बार जब महिला डॉक्टर ने उसका विरोध किया तो वह भाग गया।

पेड़ गिरने से 10 कार डैमेज

मुंबई : बारिश में वालकेश्वर इलाके में एक पेड़ गिरने से १० कार डैमेज हो गईं। शनिवार को तेज बारिश के दौरान यह घटना हुई। वालकेश्वर के पास एक पेड़ के नीचे ये कारें खड़ी थीं। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है, जिसके बाद वहां ट्रैफिक जाम हो गया। ट्री विभाग के लोगों ने वहां पहुंचकर टहनियों को सड़क से हटाया। मौसम विभाग के अनुसार, अगले ५ दिनों तक ऐसी ही जोरदार बारिश होने की संभावना है। मनपा ने ट्वीट करके जानकारी दी कि मुंबई शहर और उपनगरों में आगे भी बादल छाए रहेंगे और मध्यम व तेज बारिश होने की उम्मीद है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले ५ दिनों तक मौसम खराब रहने की आशंका है, जिसकी वजह से यलो अलर्ट भी जारी किया गया है। महाराष्ट्र के अलावा उत्तर पश्चिम भारत में उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में २७ जून तक भारी बारिश होने की संभावना है, वहीं २४ से २६ जून तक उत्तर प्रदेश में झमाझम बारिश होने की संभावना है।

सरकार का यह वादा केवल कागजों में ही सिमट कर रह गया...!

मुंबई : राज्य की गरीब जनता के हित को ध्यान में रखते हुए सरकारी अस्पतालों में मुफ्त चिकित्सा उपचार के लिए महात्मा ज्योतिराव फुले जन आरोग्य योजना का दायरा बढ़ाए जाने की घोषणा की गई थी। इसके तहत योजना की सीमा १.५० लाख से बढ़ाकर पांच लाख रुपए कर दी गई थी। हालांकि, ईडी सरकार को यह घोषणा किए चार महीने का वक्त बीत चुका है लेकिन अभी तक इस संबंध में किसी तरह की कोई कार्यवाही होती नहीं दिखाई दे रही है। ऐसे में अब जनता न केवल ईडी सरकार से इसे लेकर सवाल कर रही है, बल्कि यह भी कह रही है कि वाह रेड्डीशिंदे, कहां गए वादे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया के मुताबिक, आयुष्मान भारत और महात्मा ज्योतिराव फुले जन आरोग्य योजना को एकीकृत तरीके से लागू करके महाराष्ट्र के सभी १२ करोड़ नागरिकों को एक संयुक्त कार्ड दिया जाएगा।

जनऔषधि केंद्र अधिक संख्या में खोले जाएंगे और लोगों को सस्ते दामों पर दवाएं उपलब्ध होंगी, जो बाजार में बिकने वाली दवाओं से आधी कीमत पर उपलब्ध होंगी। प्रत्येक जिले में ऑक्सीजन सुविधा युक्त ५० बिस्तरों की एक क्रिटिकल केयर यूनिट खोली जाएगी। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी कहा है कि केंद्र की सूची के अनुसार, १,९०० बीमारियों को शामिल करके अगले १ महीने में १ करोड़ लोगों और ६ महीने में १० करोड़ लोगों को यह कार्ड वितरित करने का प्रयास किया जाएगा। इस तरह की तमाम घोषणाएं चुनाव को देखते हुए करते हुए केंद्र की भाजपा और राज्य की ईडी सरकार जनता को फिर से लॉलीपॉप देने का काम कर रही है।

गरीब भुगत रहे लेटलतीफी का खामियाजा

इस योजना के तहत राज्य के २.२२ करोड़ लाभार्थी परिवारों को मुफ्त चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। बताया गया है कि लाभार्थी परिवारों को उपचारों के लिए प्रति परिवार प्रति वर्ष १.५ लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान किया जा रहा है। बजट में महात्मा ज्योतिराव फुले जन आरोग्य योजना के तहत डेढ़ लाख तक मिलने वाले इलाज के खर्च का दायरा बढ़ाकर पांच लाख रुपए कर दिया गया है। लेकिन शिंदे सरकार का यह वादा केवल कागजों में ही सिमट कर रह गया है।

मुंबई पुलिस ने 'ऑपरेशन ऑल आउट' के दौरान 236 वांछित आरोपियों को पकड़ा

मुंबई : मुंबई पुलिस ने 'ऑपरेशन ऑल आउट' के दौरान 200 से अधिक वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो शहर में अपराधियों, मादक पदार्थ तस्करों और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले मोटर चालकों पर कार्रवाई करने के लिए चलाया गया था। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने शनिवार और रविवार की दरम्यानी रात शहर के विभिन्न हिस्सों में 215 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया और 955 अपराधियों की जांच की, जिनमें से 236 वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मादक पदार्थों से संबंधित कुल 19 मामले दर्ज किए गए और इस सिलसिले में 28 तस्कर पकड़े गए, जबकि मादक पदार्थों के सेवन के लिए 83 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि डकैती के मामलों में 323 आरोपियों की जांच की गई, जिनमें से 48 को शहर से बाहर कर दिया गया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि अभियान के दौरान 600 से अधिक होटलों, लॉज और अन्य प्रतिष्ठानों की जांच की गई। उन्होंने बताया कि अवैध हथियार रखने के आरोप में 28 लोगों को पकड़ा गया।उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम के तहत 69 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई, जबकि अभियान के दौरान 5,927 मोटर चालकों की जांच की गई और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

मुंबई में भारी बारिश, ठाणे में भयंकर बरसात से गिरी रेस्तरां की छत, 3 घायल...

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे शहर में भारी बारिश के कारण एक रेस्तरां की छत गिरने से तीन लोग घायल हो गये। नगर निगम के अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। ठाणे नगर निगम आपदा नियंत्रण प्रकोष्ठ के प्रमुख यसिन तड़वी ने कहा कि यह घटना शनिवार देर रात घोड़बंदर रोड पर स्थित एक रेस्तरां में हुई।

उन्होंने बताया कि इस घटना में दो महिलायें और एक व्यक्ति घायल हो गये, जिन्हें तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। अधिकारी के मुताबिक, शहर में रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 12 घंटे के दौरान 58.90 मिमी बारिश दर्ज की गयी। उन्होंने बताया कि इस साल अब तक शहर में 139.76 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जबकि इसी अवधि में पिछले साल 172.71 मिमी बारिश हुई थी। ठाणे जिले के अधिकारियों के मुताबिक, भारी बारिश की वजह से उल्लासनगर उपनगर के कई इलाके प्रभावित हुये। इससे पहले अधिकारियों ने बताया था कि ठाणे और पालघर जिले में शनिवार को भारी बारिश हुई थी, जिससे कई इलाकों में जलभराव हो गया था। इसके अलावा शनिवार शाम को ठाणे जिले के भिवंडी, कल्याण और बदलापुर के कई इलाके जलमग्न हो गए थे, जिसके कारण लोगों को घुटनों तक पानी से होकर गुजरना पड़ा।

मुंबई के एक मकान के होते थे 300 दावेदार, अब बचे महज 18... जानें क्यों घटता जा रहा म्हाडा की लॉटरी का क्रेज

2023 की लॉटरी में लोग उम्मीद से कम ले रहे हैं दिलचस्पी

मुंबई: लाखों मुंबईकरों की चाहत होती है कि मायानगरी में उनका कोई अपना घर हो। मकान ढंग के हों और बजट में हों, इसलिए महाराष्ट्र गृहनिर्माण क्षेत्र विकास प्राधिकरण (म्हाडा) की लॉटरी का इंतजार रहता है। इस बार करीब 4 साल बाद म्हाडा मुंबई बोर्ड की लॉटरी निकली। लग रहा था कि सारे रेकॉर्ड टूट जाएंगे, लेकिन लोगों ने इसमें दिलचस्पी ही नहीं दिखाई। इस वजह से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की तारीख बढ़ानी पड़ रही है। इससे पहले कोकण बोर्ड ने 10 मई को 4,640 घरों के लिए लॉटरी जारी की थी, जिसके लिए केवल 59,058 लोगों ने

आवेदन किए थे। यहां भी प्रति घर के लिए औसतन 12 लोगों ने ही रुचि दिखाई।

कोविड के बाद पहली लॉटरी

मुंबई बोर्ड के लिए म्हाडा की अंतिम लॉटरी कोरोना से पहले 2019 में जारी हुई थी, जिसके बाद अब हुई है। चार साल पहले 217 घरों के लिए जारी हुई लॉटरी में 66,084 आवेदन प्राप्त हुए थे। यानी एक घर के लिए करीब 308 आवेदन थे। इस बार 4,082 घरों के लिए अब तक केवल 75,683 लोगों ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाया है। इसका मतलब एक मकान के लिए औसतन 18 आवेदन मिले हैं। हैरानी की बात है कि इसमें से भी केवल 51,563 आवेदकों ने पैसे जमा कर अपनी दावेदारी पक्की की है।

लॉटरी को उम्मीद से कम प्रतिसाद मिलने से म्हाडा की चिंता बढ़ गई है। म्हाडा को उम्मीद थी कि मुंबई बोर्ड की यह लॉटरी सभी रेकॉर्ड तोड़ देगी। 4,082 घरों के लिए 2 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त होने की उम्मीद थी, लेकिन ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू होने के बाद करीब एक महीने में सिर्फ 75,683 रजिस्ट्रेशन ने म्हाडा को निराश कर दिया है। म्हाडा के इतिहास में कोकण बोर्ड द्वारा 2021 में जारी हुई लॉटरी को सबसे अधिक 2,46,650 आवेदन प्राप्त हुए थे। कोंकण बोर्ड ने 8,984 घरों की लॉटरी जारी की थी।

राजस्थान समेत 20 राज्यों में अगले 4 दिन भारी बारिश

मानसून 7 दिन देर से मध्यप्रदेश पहुंचा, असम के 19 जिलों में बाढ़ से 1500 गांव डूबे

नई दिल्ली। मौसम विभाग के मुताबिक, 20 राज्यों में अगले 4 दिन भारी बारिश होने का अनुमान है। इन राज्यों में मध्यप्रदेश, राजस्थान, पंजाब, गुजरात, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, छत्तीसगढ़, ओडिशा, उत्तराखंड, तेलंगाना, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, हिमाचल प्रदेश, कोंकण और गोवा, विदर्भ, तटीय आंध्र प्रदेश, तटीय कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु शामिल हैं। इस बीच, मानसून 7 दिन की देरी से मध्य प्रदेश पहुंच चुका है। दो दिन में यह राजधानी भोपाल पहुंचेगा। मौसम विभाग के मुताबिक, महाराष्ट्र में भी मानसून ने दस्तक दे दी है। अगले पांच दिन यहां भारी बारिश की संभावना है। शनिवार को मुंबई में जोरदार बारिश हुई है। मौसम विभाग ने मुंबई के लिए यलो अलर्ट जारी किया है।

वहीं, असम में बाढ़ से हालात अब भी खराब हैं। यहां 20 जिलों के 5 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। बारिश में 2 लोगों की जान जाने की भी खबर है। बिपरजॉय तूफान के चलते मानसून देश में देरी से पहुंचा था, लेकिन अब बिपरजॉय का असर खत्म हो गया है, ऐसे में मानसून के तेजी से सभी राज्यों में पहुंचने की संभावना है।

असम में बाढ़ से 4.89 लाख लोग प्रभावित

असम की स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के मुताबिक, असम के 19 जिलों के 4.89 लाख लोग बारिश और बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। जिला प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित इलाकों में 240 रिलीफ कैंप, 75 रिलीफ सेंटर्स बनाए हैं, जबकि 35 हजार 142 लोगों को रेस्क्यू कर रिलीफ कैंप में भेजा है। कई लोगों ने सड़कों और ऊंचे मैदानी इलाकों पर भी बसेरा जमाया है। स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने बताया कि बाढ़ के कारण 10 हजार 782 हेक्टेयर जमीन डूब गई है। जबकि, 4.27 लाख पालतू जानवर भी बाढ़ में प्रभावित हुए हैं।

नॉर्थ ईस्ट- असम, मेघालय, सिक्किम में अगले 5 दिन बारिश

मौसम विभाग ने देश के पूर्वी राज्यों में अगले 5 दिन बारिश का अलर्ट जारी किया है। नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम में 24 और 25 जून को भारी बारिश होगी। नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, असम, मेघालय और सिक्किम में 26 और 27 जून को अति भारी बारिश की आशंका है।

पूर्वी भारत- बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड में 25 जून तक आंधी आने की संभावना

देश के पूर्वी राज्यों बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड में 24 और 25 जून को बिजली कड़कने और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने का अनुमान है। इसके अलावा 26 जून को इन तीनों राज्यों में बारिश होने की संभावना है। ओडिशा में 24 से 25 जून तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

अब दिन में 8 घंटे 20 प्रतिशत तक सस्ती बिजली मिलेगी

टाइम ऑफ डे टैरिफ शुरू, लेकिन पीक आवर्स में इतनी ही महंगी भी होगी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार अलग-अलग समय पर बिजली की अलग-अलग दर लागू करने की तैयारी कर रही है। बिजली की दर तय करने के लिए सरकार 'टाइम ऑफ डे' (दिन के समय) यानी टीओडी टैरिफ नियम लागू कर रही है। टीओडी के तहत बिजली उपभोक्ता दिन के वक्त बिजली खपत का प्रबंधन कर बिल में बीस फीसदी तक की कमी कर सकते हैं।

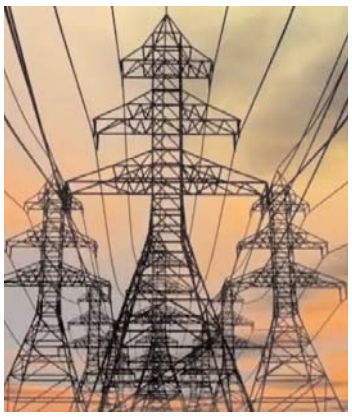

केंद्रीय बिजली मंत्री आरके सिंह ने बताया, टीओडी उपभोक्ताओं के साथ बिजली प्रणाली के लिए भी फायदे का सौदा है। इसमें पीक आवर्स, सोलर आवर्स और सामान्य घंटों के लिए अलग-अलग टैरिफ शामिल हैं। टीओडी टैरिफ के बारे में जागरुकता और प्रभावी उपयोग से उपभोक्ता अपने बिजली बिल को कम कर सकते हैं। टीओडी नियम के तहत दिन के अलग-अलग समय के लिए बिजली की अलग-अलग दरें लागू होंगी।

ऐसे कम होगा बिजली का बिल

टीओडी टैरिफ व्यवस्था लागू होने से बिजली की सर्वाधिक दर वाले समय (पीक ऑवर्स) में उपभोक्ता कपड़े धोने और खाना पकाने जैसी अधिक बिजली खपत वाले कामों से परहेज कर सकेंगे। बिजली की कम दर वाले वक्त में इन कामों को निपटाकर उपभोक्ता अपने बिजली के बिल में दस से बीस फीसदी तक की बचत कर सकते हैं।

उत्तराखंड चारधाम यात्रा

केदारनाथ गर्भगृह में तीर्थयात्रियों को दर्शन की मिलेगी अनुमति, इन नियमों का करना होगा

नई दिल्ली। उत्तराखंड चार धाम यात्रा का शुभारंभ होने के साथ ही भारी संख्या में तीर्थ यात्री दर्शन करने को पहुंच रहे हैं। गंगोत्री-यमुनोत्री, बदरीनाथ समेत चारों धामों में एमपी, यूपी, दिल्ली-एनसीआर समेत देश के अन्य राज्यों से तीर्थ यात्री पहुंच रहे हैं। इसी के बीच केदारनाथ धाम से बड़ा अपडेट सामने आया है। केदारनाथ मंदिर में आम तीर्थ यात्रियों को अब गर्भगृह तक जाने दिया जाएगा।

बदरी-केदार मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने यात्रियों की संख्या में आई कमी को देखते हुए सभी यात्रियों को गर्भगृह में प्रवेश की अनुमति दे दी है। हालांकि भीड़ बढ़ने पर पहले की तरह सभा मंडप से ही दर्शन की व्यवस्था रहेगी। केदारनाथ धाम के कपाट 25 अप्रैल को खुले थे। इस सीजन शुरुआत से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु केदारनाथ पहुंचने लगे। प्रतिदिन औसतन 20 हजार यात्री केदारनाथ मंदिर में दर्शन कर रहे थे।

बिहार में एक महीने में दूसरा पुल धंसा

पहली बारिश में खुली पोल, 1500 करोड़ की लागत से हो रहा निर्माण

किशनगंज। बिहार में एक और बड़ा पुल भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ता हुआ दिख रहा है। किशनगंज जिले में मेची नदी पर बन रहा पुल धंसने लगा है इस पुल का निर्माण गौरीचक में हो रहा है जिसका एक पाया धंस गया है। इसका निर्माण नेशनल हाईवे 327 ई पर हो रहा है। जीआर इंफ्रा कंपनी नामक संवेदक द्वारा इसका निर्माण कराया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक एनएचएआई की देखरेख में पुल बन रहा है। जानकारी के मुताबिक निर्माणाधीन पुल की लागत 15 सौ करोड़ है। दरअसल नेशनल हाईवे 327 श्व के चौड़ीकरण का काम हो रहा है जिसके लिए इसका निर्माण कराया जा रहा है। यह पुल बिहार के अररिया जिले को बंगाल के सिलीगुड़ी से जोड़ता है। किशनगंज में पुल के धंस जाने से कई तरह की चर्चा शुरू हो गई है।

मणिपुर में मंत्री के गोदाम में आग लगाई

हिंसा पर संसद में अमित शाह ले रहे सर्वदलीय बैठक, विपक्षी पार्टियों के नेता पहुंचे

नई दिल्ली। मणिपुर में शनिवार को राज्य सरकार के मंत्री एल सुसींद्रो के घर पर भीड़ ने हमला बोल दिया। उनके निजी गोदाम और वहां खड़ी 2 गाड़ियों को आग लगा दी गई। सुरक्षा बलों ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया और मंत्री के घर में घुसने की कोशिश कर रही भीड़ को भगाया। सुसींद्रो कंज्यूमर एंड फूड अफेयर्स और पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के मंत्री हैं। वे मैतेई समुदाय से आते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गोदाम में पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के करोड़ों रुपए के पाइप रखे हुए थे, जो आगजनी में पूरी तरह जलकर खाक हो गए। भीड़ ने पूर्वी इंफाल में साजीवा जेल के पास स्थित भाजपा दफ्तर में भी आग लगा दी। उधर, मणिपुर में 52 दिनों से जारी हिंसा को लेकर आज दिल्ली में ऑल पार्टी मीटिंग हो रही है। संसद भवन में हो रही बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा

अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय और संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी हिस्सा ले रहे हैं।

बैठक में TMC सांसद डेरेक ओ ब्रायन, शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी, AAP सांसद संजय सिंह, ऋष्ठ सांसद मनोज कुमार झा, हृष्टक महासचिव नरेंद्र वर्मा, मणिपुर के NCP चीफ सोरन इबोयिमा और CPI (M) के सांसद जॉन ब्रिटास समेत कई विपक्षी नेता भी पहुंचे हैं।

तृणमूल कांग्रेस (TMC) ने मणिपुर में अगले हफ्ते ऑल पार्टी डेलिगेशन भेजने की मांग की है। पार्टी ने अपने बयान में कहा कि अब तक केंद्र सरकार का रुख अनदेखी का रहा है। अब इसमें बदलाव की जरूरत है। वहीं, CPI सांसद बिनॉय विश्वम ने ट्वीट कर अमित शाह से पूछा है कि उनकी पार्टी को मीटिंग में क्यों नहीं बुलाया गया।

देवगढ़ पर्यटन विकास हेतु कार्ययोजना तैयार करें अधिकारी : डीएम

पर्यटकों की सुविधाओं के दृष्टिगत रास्तों को दुरुस्त करने के निर्देश

दशावतार मंदिर परिसर में देवगढ़ महोत्सव आयोजन हेतु कार्ययोजना बनाएं

मंदिर परिसर में कैण्टीन का संचालन स्वयं सहायता समूह के माध्यम से होगा

निरीक्षण के पश्चात बैठक कर कार्ययोजना को धरातल पर लाने हेतु विस्तृत निर्देश

ललितपुर। देवगढ़ में पयर्टन को बढ़ावा देने के दृष्टिगत एवं पेयजल समस्या के निस्तारण हेतु जिलाधिकारी आलोक सिंह ने सम्बंधित अधिकारियों के साथ देवगढ़ क्षेत्र का भ्रमण किया। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में पर्यटन विकास की असीम सम्भावनाएं हैं, जिनके विकास हेतु शासन द्वारा तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि देवगढ़ क्षेत्र के पर्यटन विकास हेतु सम्बंधित विभाग अपनी-अपनी कार्ययोजना तैयार कर लें, इस क्षेत्र के विकास में आ रही समस्याओं को आपसी सामन्जस्य से दूर करें, ताकि पर्यटकों को आवागमन में कठिनाईयों का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गुप्तकालीन दशावतार मन्दिर पर पर्यटकों हेतु पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु जल संस्थान एवं जल निगम के अधिशासी अभियन्ताओं से वार्ता की, जिसमें अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि दशावतार मन्दिर, पर्यटक आवास गृह एवं स्थानीय लोगों की पानी की समस्या का निदान कर दिया गया है एवं पेयजल की आपूर्ति की जा रही है, जिस पर जिलाधिकारी द्वारा गांव में नियमित पेयजल आपूर्ति किये जाने के निर्देश दिये गए। मौके पर जिलाधिकारी ने दशावतार मन्दिर परिसर में बाबड़ी तक पानी की आपूर्ति का निरीक्षण किया।

भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा एएसआई एवं पर्यटन विभाग को निर्देशित किया गया कि आगामी माह में देवगढ़ महोत्सव आयोजित किये जाने हेतु कार्य योजना तैयार करें एवं महोत्सव आयोजित कराये जाने हेतु दशावतार मन्दिर परिसर में जगह की उपलब्धता सुनिश्चित कराने तथा पर्यटकों की सुविधा के दृष्टिगत मन्दिर परिसर में कैण्टीन का संचालन ग्राम के स्वयं सहायता समूह द्वारा कराने के निर्देश दिये गए। जिलाधिकारी ने पर्यटकों की सुविधा के दृष्टिगत क्षेत्र में बार कोड वाले साईनेज देवगढ़ में स्थापित किये जाने के निर्देश दिये।

उन्होंने लोक निर्माण विभाग को देवगढ़ क्षेत्र में उनके स्वामित्व वाली सड़कों की मरम्मत कराये जाने तथा वन विभाग ललितपुर/मिर्जापुर के अधिकारियों को वन मार्गों की स्थिति सुधारने के निर्देश दिये गए ताकि आने वाले पर्यटकों को आवागमन में सुविधा रहे। निरीक्षण के पश्चात जिलाधिकारी ने कलैक्ट्रेट सभागार में सम्बंधित अधिकारियों के साथ देवगढ़ के पर्यटन विकास के सम्बंध में बैठक ली, उन्होंने आरएम रोडवेज को निर्देशित किया गया कि देवगढ़ एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है, ललितपुर से देवगढ़ तक रोडवेज बसों के संचालन हेतु तत्काल कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने क्षेत्रीय वनाधिकारी को निर्देशित किया कि बौद्ध गुफा तक जाने वाले वनमार्ग के सुदृढ़ीकरण हेतु आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें एवं रमपुरा को जोडने वाले अन्य 22 किमी के वनमार्ग का प्रस्ताव तैयार कराने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए। उन्होंने मण्डलीय अभियन्ता बीएसएनएल को निर्देश दिये कि देवगढ़ में नेटवर्क की समस्या है, अतः वहां टावर स्थापित कराने हेतु आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

भ्रमण व बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी अनिल कुमार पाण्डेय, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे लवकुश त्रिपाठी, प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी गौतम सिंह, जिला पर्यटक अधिकारी हेमलता, सहायक अधीक्षण पुरातत्व विद झांसी, आरएम रोडवेज, अधिशासी अभियंता जल संस्थान संजीव कुमार, अधिशासी अभियन्ता जल निगम अवनीश सिंह, सहायक अभियन्ता लो.नि.वि. नवनीत सिंह, क्षेत्रीय वनाधिकारी कैनूर वन्य जीव विहार मिर्जापुर, जिला अर्थ एंव संख्याधिकारी राजेश कुमार सिंह एवं पर्यटक आवास के कर्मचारी उपस्थित रहे।

विधिक साक्षरता शिविर में सात कैदियों ने मांगे निशुल्क अधिवक्ता

ललितपुर। जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चन्द्रोदय कुमार के निर्देशानुसार सचिव अक्ष्यदीप यादव के निर्देशन में जिला कारागार में एक विधिक साक्षरता शिविर पैनल अधिवकताओं द्वारा आयोजित किया गया। पैनल अधिवक्ता पुष्पेंद्र सिंह चौहान ने जानकारी दी कि जेल में बंद कैदी अधिवक्ता न होने पर निशुल्क अधिवक्ता की मांग कर सकते हैं। उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उनके लिए निशुल्क अधिवक्ता नियुक्त किया जायेगा। विधिक शिविर के दौरान 7 कैदियों द्वारा निशुल्क अधिवक्ता की मांग की गई। उनके आवेदन पत्रों को लेकर जल्दी ही उन्हें पैनल अधिवक्ता नियुक्त करा दिया जायेगा। जिन कैदियों को निशुल्क अधिवक्ता मिल गए है उनकी पैरवी पैनल अधिवक्ता द्वारा शुरू की जा चुकी है। इस दौरान पैनल अधिवक्ता शेरसिंह यादव, स्वतंत्र व्यास, मानवेंद्र सिंह ने कैदियों से उनकी पैरवी हेतु मुकदमों से संबंधित जानकारी प्राप्त की। इस दौरान कारापाल कारागार लाल रत्नाकर सिंह उपस्थित रहे।

टूटा सब्र का बांध, पन्द्रह दिनों से कालोनी में नहीं आयी बिजली

घण्टाघर मैदान परचक्का जाम कर जोरदार नारेबाजी

ललितपुर। जनपद में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच विगत पन्द्रह दिनों से बिजली न आने और शिकायत करने पर विभागीय कर्मियों पर अभद्रता करने का आरोप लगाते हुये शनिवार को राजकीय महाविद्यालय के पास स्थित मान्यवर कांशीराम शहरी आवासीय कालोनी में रहने वाली महिलाओं के सब्र का बांध टूट गया। महिलाओं ने जोरदार नारेबाजी करते हुये घण्टाघर पर चक्का जाम कर दिया। खबर मिलने पर आनन-फानन में पुलिस बल भी मौके पर जा पहुंचा, जहां महिलाओं को समझाने का भरशक प्रयास किया गया, लेकिन महिलायें विद्युत आपूर्ति व्यवस्था सुद्रढ़ कराने पर जोर देती नजर आयीं।

गौरतलब है कि तत्कालीन बसपा सरकार ने शहरी क्षेत्र में रहने वाले गरीब परिवारों को छत देने के उद्देश्य से मान्यवर कांशीराम शहरी आवास कालोनी योजना के तहत आवास बनाकर दिये थे। लेकिन आवासीय कालोनी में मूलभूत सुविधाओं

में सड़क, बिजली और पानी को देने से पहले ही प्रदेश में सत्ता परिवर्तन हो गया। जिसके बाद किसी भी सरकार ने इन कालोनियों में रहने वाले लोगों की ओर मुड़कर नहीं देखा। यही कारण है कि आज भी कालोनियों में बिजली, पानी और सड़क जैसी समस्याओं के बीच लोग जीवन यापन कर रहे हैं।

बीते पन्द्रह दिनों से राजकीय महाविद्यालय के पास स्थित कालोनी में बिजली न आने से परेशान महिलाओं ने बताया कि उनके बच्चे गर्मी से बीमार हो रहे हैं, बुजुर्गों का बुरा हाल है और महिलायें भी परेशानियों से जूझ रहीं हैं। ऐसे में विद्युत व्यवस्था सुद्रढ़ कराने के लिए जब विभाग में शिकायत की गयी तो वहां भी महिलाओं से अभद्रता करते हुये अन्य भगा दिया जाता है। महिलाओं ने बिजली विभाग के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुये प्रदर्शन किया। इस दौरान महिलाओं ने घण्टाघर पर चक्का जाम करते हुये विद्युत व्यवस्था सुचारू कराये जाने की मांग उठायी है।

आचार्य विनम्र सागर महाराज नगर में आज होगा प्रवेश

जैन समाज करेगी प्रभावना पूर्ण अगुवाई

ललितपुर। गणाचार्य विरागसागर महाराज के प्रभावक शिष्य भक्ताम्मर बाले बाबा उच्चारणाचार्य विनम्र सागर महाराज का आज 16 पिच्छीधारी साधुओं के साथ सुबह नगर में अगुवाई हो रही है जिसको लेकर जैन समाज मे उत्साह का माहौल है। टीकमगढ नगर से प्रभावना पूर्वक ललितपुर के लिए विहार हुआ जिसको सम्पन्न कराने में ललितपुर जैन समाज के लोग प्रमुख रूप से सम्मलित रहे।

आचार्यश्री विनम्र सागर महाराज के संघस्थ मुनि विज्ञ सागर महाराज, विनंद सागर महाराज, मुनिश्री विनुत सागर महाराज, मुनिश्री शुभ सागर महाराज, मुनिश्री विश्ववीर सागर महाराज, मुनिश्री विश्वधीर सागर महाराज, आर्यिका विमलश्री माताजी, आर्यिका विनेहश्री माता, वितपश्री माताजी, विसमश्री माताजी, विपुलश्री माताजी, विमुदश्री माताजी, विभव्यश्री माताजी, विशर्वश्री माताजी, प्रभाश्री माताजी ने सुबह ग्राम विरारी में प्रवेश हुआ, जहां जैन पंचायत अध्यक्ष अनिल जैन, पूर्व अध्यक्ष ज्ञानचंद इमलिया, अखिलेश, संजीव जैन, मनोज जैन, अक्षय अलया, जिनेन्द्र जैन एवं संजय सर्राफ ने पादप्रक्षालन कर अगुवाई की। इसके उपरान्त आचार्य संघ की में आहारचर्या ग्राम विरारी स्थित स्वर्णिम विद्या धाम में हुई। इस मौके पर प्रमुख रूप से वीणा जैन, उमा जैन, सिलोचना जैन, अनीता मोदी, भूमिका जैन, संजय रसिया, सत्येन्द गदयाना, डा.अजय जैन, धन्यकुमार जैन, मनोज जैन, संजीव, अनंत सराफ, नरेश, पुल्ली सराफ, चंदन जैन, प्रदीप चिगलौआ आदि मौजूद रहे। महामंत्री डा.अक्षय टडैया ने बताया कि आचार्य विनम्र सागर महाराज का ससंघ 25 जून को सुबह 7 बजे ललितपुर नगर में प्रवेश होगा, जिसमें दीक्षा के उपरान्त प्रथम बार नगर गौरव आर्यिका विनेहश्री माताजी भी विराजमान है। उनकी अगुवाई के लिए उन्होने कैलगुवा तिराहे पर प्रबुद्ध लोगों से पहुचने का आग्रह किया है। मुनि संघ के नगर आगमन को लेकर नगर की स्वयंसेवी संस्थाओं में उत्साह का माहौल है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : सोमवार 26 जून 2023

क्या प्रेग्नेंट हैं कियारा आडवाणी?

सोशल मीडिया पर सामने आई एक्ट्रेस की ऐसी तस्वीर

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' के प्रमोशन में काफी व्यस्त हैं। वह अपने को-स्टार कार्तिक आर्यन के साथ मूवी का जोर-शोर से प्रचार-प्रसार कर रही हैं। इस बीच एक्ट्रेस की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई है, जिसे देख लोग उनकी प्रेग्नेंसी के कयास लगा रहे हैं। दरअसल, शनिवार को कियारा आडवाणी और कार्तिक आर्यन अपनी फिल्म का प्रमोशन करने के लिए जयपुर पहुंचे और एक इवेंट में शामिल हुए, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। हालांकि, एक तस्वीर पर नेटिजंस की नजरें ठहर गईं, जिसमें उन्होंने एक्ट्रेस का बेबी बंप नोट किया।

क्या प्रेग्नेंट हैं कियारा आडवाणी?

इवेंट में कियारा आडवाणी ने ऑरेंज ब्रालेट के साथ मैचिंग पैंट और ब्लेजर कैरी किया था, जिसमें वह हमेशा की तरह स्टाइलिश और स्टनिंग लग रही थीं। उन्होंने कार्तिक की आंखों में देखते हुए फोटो क्लिक कराई। एक तरफ लोगों को उनकी केमिस्ट्री भा गई तो दूसरी ओर कई लोगों ने दावा किया कि एक्ट्रेस प्रेग्नेंट हैं और उनका बेबी बंप दिख रहा है।

फैंस ने नोटिस की ये चीज

एक यूजर ने पूछा, 'कियारा प्रेग्नेंट हैं क्या?' एक ने कहा, 'बेबी बंप।' एक और ने लिखा, 'हम सभी बेबी बंप देख सकते हैं, है ना?' एक ने सिद्धार्थ मल्होत्रा के मजे लेते हुए कहा, 'सिद्धार्थ को बताना पड़ेगा।' एक अन्य ने पूछा, 'कियारा मुझे ही प्रेग्नेंट लग रही है या किसी और को भी?' ज्यादातर लोगों ने उनके बेबी बंप को नोटिस किया। हालांकि, कियारा प्रेग्नेंट हैं या नहीं। ये तो एक्ट्रेस ही बता सकती हैं।

फिल्म 'शेरशाह' के सेट पर एक-दूसरे के प्यार में पागल हुए कियारा और सिद्धार्थ बी-टाउन के सबसे पसंदीदा कपल्स में से एक हैं। दोनों ने इसी साल 7 फरवरी को एक-दूसरे के साथ राजस्थान में शादी की थी। भले ही कपल की डेटिंग लाइफ सीक्रेट रही, लेकिन शादी के बाद से ही वे एक-दूसरे पर प्यार लुटाने का एक भी मौका नहीं गंवाते हैं।

श्रिया सरन की ड्रेस देख भड़के लोग

इंडियन एक्ट्रेस श्रिया सरन ने साउथ इंडस्ट्री में अपनी अदायगी से लोगों को दीवाना तो बनाया ही है, अब वह बॉलीवुड में भी तहलका मचा रही हैं। श्रिया सरन को हिंदी सिनेमा में 'दृश्यम' से पॉपुलैरिटी मिली है। फैशन के मामले में भी श्रिया का कोई जवाब नहीं। वह आए दिन अपने लुक्स के लिए चर्चा बटोरती हैं। यूं तो उनके हर लुक को काफी पसंद किया जाता है, लेकिन उनके हालिया अवतार से फैंस काफी नाराज दिखे।

दरअसल, श्रिया सरन मुंबई में आयोजित एक अवॉर्ड फंक्शन में शामिल हुईं। इस दौरान श्रिया सरन ने ऑल डेनिम लुक कैरी किया। एक्ट्रेस ने स्ट्रैपलेस कट-आउट ड्रेस पहन रखी थी। उन्होंने अपने लुक को स्टेटमेंट नेकलेस और इयररिंग्स से स्टाइलिश रखा था। स्लीक हेयर बन और बोल्ड मेकअप में वह स्टनिंग दिख रही थीं।

क्यों ट्रोल हो रहीं श्रिया सरन?

श्रिया सरन का वीडियो जब सोशल मीडिया पर सामने आया, तो कई लोगों ने उन्हें बुरी तरह ट्रोल करना शुरू कर दिया। नेटिजंस ने उनकी तुलना तो उर्फी जावेद तक से कर दी। एक यूजर ने लिखा, 'बेकार ड्रेस है। बहुत ही गिरा हुआ फैशन है। लोगों को लगता है कि ये हाई क्लास है, लेकिन इसमें कोई क्लास नहीं है।' एक ने कहा, 'उर्फी ने सबको बिगाड़ दिया।' एक ने कमेंट किया, 'आजकल हर कोई उर्फी से कपड़े उधार क्यों ले रहा है?' एक यूजर बोला, 'यह उस पर बहुत बुरा लग रहा है।' एक यूजर ने तो इसे फैशन डिजास्टर ही बता दिया। एक अन्य ने कहा, 'उर्फी तो बेचारी फालतू में बदनाम है।' इस तरह लोग श्रिया के लुक को नापसंद कर रहे हैं।

श्रिया सरन का वर्क फ्रंट

श्रिया को आखिरी बार तेलुगु फिल्म 'म्यूजिक स्कूल' में देखा गया था। फिल्म में एक्ट्रेस ने 'श्री इडियट्स' एक्टर शरमन जोशी के साथ स्क्रीन शेयर किया था। पिछले साल उनकी बॉलीवुड फिल्म 'दृश्यम 2' भी काफी सक्सेसफुल साबित हुई थी। इसमें वह अजय देवगन के साथ नजर आई थीं।

परिणीति चोपड़ा पैपाराजी पर भड़की, यूजर ने कहा ड्रामा देखिए इनका

परिणीति चोपड़ा और आप नेता राघव चड्ढा इन दिनों काफी ज्यादा चर्चा में हैं। फैंस कपल के शादी का इंतजार कर रहे हैं, उनके डेटिंग की अफवाहें फैलने के बाद लव बर्ड्स ने अटकलों पर विराम लगा दिया था और आधिकारिक तौर पर 13 मई को सगाई कर ली थी। हाल ही में सोशल मीडिया में परिणीति का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें परिणीति पैपराजी पर गुस्सा हो रही हैं।

यूजर्स ने किया ट्रोल

इस वीडियो में जैसे ही पैपाराजी परिणीति चोपड़ा के पास आकर फोटो लेने की कोशिश करते हैं और मैम बोलते हैं वैसे ही परिणीति गुस्सा हो जाती है और बोलती है नहीं-नहीं अभी नहीं यार बस अभी.. और दूसरी तरफ मुंह करके खड़े हो जाती है। इस वीडियो को देखने के बाद फैंस काफी गुस्सा हो रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए कहा परिणीति ने अभी से एक राजनेता की पत्नी की तरह कपड़े पहनना शुरू कर दिया है। वहीं एक ने कहा- राघव ने पूछा नहीं होगा आज खाना खाया क्या। वहीं एक ने कहा-ड्रामा देखिए इनका। एक ने कहा-हां बहुत थक गई हैं परिणीति मैम आजकल।

इन फिल्मों में नजर आई परिणीति

रिपोर्ट के अनुसार अक्टूबर में परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा शादी के बंधन में बंध सकते हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो, परिणीति इम्तियाज अली निर्देशित 'चमकीला' में दिलजीत दोसांझ के साथ स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी। बताया जा रहा है कि यह फिल्म पंजाबी सिंगर अमर सिंह चमकिला से प्रेरित है। परिणीति चोपड़ा हाल ही में फिल्म ऊंचाई और कोड नेम तिरंगा में नजर आई थीं। अब वह जल्द ही फिल्म कैप्सूल गिल में नजर आएंगी। परिणीति ने अपने करियर की शुरूआत लेडिज वर्सेज रिकी बहल के साथ की थी। उन्होंने इशकजादे, हंसी तो फंसी, दावत-ए- इश्क, किल दिल और गोलमाल अगेन जैसी कई फिल्मों में काम किया है।

जब फिल्म के सेट पर फटकार खाकर सुष्मिता की आंखों में आ गए थे आंसू, फूट-फूटकर लगी थीं रोने

पूर्व मिस यूनिवर्स सुष्मिता सेन किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. वह अभिनय और खूबसूरती के अलावा अपनी निजी जिंदगी के चलते चर्चा में रहती हैं. बता दें कि सुष्मिता ने साल 1996 के दौरान महेश भट्ट की फिल्म 'दस्तक' से बॉलीवुड डेब्यू किया था. इस फिल्म से उन्होंने अच्छी-खासी पहचान बना ली थी. दरअसल, इसी फिल्म के सेट पर ही उनकी मुलाकात उनके एक्स-बॉयफ्रेंड विक्रम भट्ट से हुई थी. वहीं, इसी फिल्म के सेट पर सुष्मिता को फूट-फूटकर रोना पड़ गया था.

आपको यह जानकर हैरानी होगी कि सुष्मिता सेन किसी भी फिल्मी परिवार से ताल्लुक नहीं रखती हैं और उन्हें एक्टिंग भी नहीं आती है. ऐसे में उन्हें जब दस्तक फिल्म ऑफर की गई तो उन्होंने इसे रिजेक्ट कर दिया था. हालांकि, महेश भट्ट ने हार नहीं मानी और वह सुष्मिता सेन को मनाकर ही माने थे. बता दें कि सुष्मिता ने फिल्म के लिए हामी भर दी थी, लेकिन एक्टिंग नहीं आने के चलते वह काफी ज्यादा घबराई हुई थीं. ऐसे में उन्हें एक ही शॉट के लिए बार-बार रीटेक लेना पड़ रहा था. ऐसे में महेश भट्ट उन पर नाराज हो गए और बुरी तरह डांट दिया. इसके बाद सुष्मिता फूट-फूटकर रोने लगी थीं. गौरतलब है कि उस फिल्म में सुष्मिता को गुस्से वाला एक सीन शूट करना था, लेकिन सीन परफेक्ट नहीं हो पा रहा था. ऐसे में महेश भट्ट ने उन्हें बुरी तरह गुस्सा दिया दिया. इसके बाद सुष्मिता ने नाराजगी वाला ऐसा अंदाज दिखाया कि हर कोई हैरान रह गया. सुष्मिता सेन ने एक इंटरव्यू में महेश भट्ट के साथ काम करने का अनुभव साझा किया था. उन्होंने कहा था कि अगर महेश भट्ट जिद नहीं करते तो वह एक्टिंग की दुनिया में कदम नहीं रखतीं और शायद ही कभी एक्ट्रेस बन पातीं.

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com .